दैनिक जागरण नई दिल्ली, 1 जनवरी 2018

रसोई गैस सिलेंडर की आपूर्ति में धांधली

जागरण संवाददाता, पश्चिमी दिल्ली : ठंड बढ़ने के साथ घरेलू गैस सिलेंडर के उपभोक्ता एक बार फिर से परेशान हो उठे हैं। घरों में समय पर गैस सिलेंडर की आपूर्ति नहीं हो रही है। बुकिंग से सात दिन के भीतर सिलेंडर की डिलीवरी कराने के लिए कंपनी वचनबद्ध है। ऑनलाइन बुकिंग के साथ ही कंपनी की ओर से यह संदेश तुरंत ही आ जाता है, लेकिन दस दिन से पहले यह सिलेंडर घर नहीं पहुंच रहा है। इसके पीछे गैस एजेंसियों और वेंडरों की मिलीभगत बताया जा रहा है।

दरअसल, ठंड के मौसम में गैस सिलेंडर जल्दी खत्म हो जाता है। बार बार खाना पकाने के लिए बर्नर जलाने के दौरान गैस की खपत ज्यादा होती है। जिनके घर में एक सिलेंडर का कनेक्शन है, उनके लिए यह काम आसान नहीं रह गया है। सिलेंडर खत्म होने से पहले बुकिंग भी कराना भी ऐसे लोगों के लिए संभव नहीं हैं।

कंपनी की ओर से समय पर सिलेंडर की आपूर्ति हो भी जाती है तो भी एजेंसियों से यह सिलेंडर घरेलू उपभोक्ताओं के यहां नहीं पहुंचता। चूंकि, दुकानों पर खपत ज्यादा होती है और वेंडर एक सिलेंडर पर तीन से चार सौ रुपया कमा लेते हैं इसलिए वे घरेलू ग्राहकों को घुमाते रहते हैं। सिलेंडर में दो सौ से ढाई सौ ग्राम गैस कम होने की शिकायत को एजेंसियां नजरअंदाज कर देती हैं। ग्राहक भी इसे गंभीरता से नहीं लेते ऐसे में सिलेंडरों में से गैस निकालकर बेचने का धंधा चल रहा है। कभी कभार दो से तीन किलो कम होने की शिकायत मिलती है तो लिकेज का बहाना बनाकर टाल दिया जाता है। कार्रवाई भी नहीं होती है।